शिक्षा

अंतर्राष्ट्रीय समझ हेतु शिक्षा

यूनेस्को, सहयोगी स्कूल परियोजना (एएसपीनेट) नाम से एक परियोजना चला रहा है। सहयोगी स्कूल शैक्षिक संस्थाएं हैं जो शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग और शांति से संबद्ध कार्यों को करने के लिए स्कूल परियोजना में भाग लेने के लिए यूनेस्को सचिवालय से सीधे जुड़े हुए हैं। यूनेस्को के सहयोग हेतु भारतीय राष्ट्रीय आयोग की सिफारिश पर इस परियोजना के अंतर्गत भारत से 50 स्कूलों और शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं को यूनेस्को के साथ सूचीबद्ध किया गया है। आईएनसीसीयू के साथ 260 यूनेस्को क्लब पंजीकृत हैं।

एएसपीनेट मिशन के नए वक्तव्य के अनुसार ''एएसपीनेट, पूरे विश्व में बच्चों और युवाओं की बढ़ती हुई शैक्षिक मांग को पूरा करने के लिए शांति, स्वतंत्रता, न्याय और मानव विकास के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा के प्रोत्साहन और वितरण में लगे स्कूलों का नेटवर्क है।''

अंतर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग और शांति के लिए शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, और विश्व की परेशानियों संबंधी ज्ञान को बढ़ाने तथा उन्हें सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेन्सियों की भूमिका, अन्य व्यक्तियों और संस्कृतियों की बेहतर समझ के लिए और मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता के लिए समझ और जागरूकता विकसित करने हेतु परियोजनाओं और विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 1953 में यूनेस्को द्वारा एएसपीनेट परियोजना आरंभ की गई।

भारतीय राष्ट्रीय आयोग सुविधा–प्रदाता और सहयोगी का कार्य करता है तथा तृणमूल स्तर तक इसकी पहुंच बनाने के लिए इन विचारों का प्रचार करने में सरकार और यूनेस्को के बीच एक केन्द्रीय संपर्क निकाय के रूप में कार्य करता है। अभी भारत के 50 स्कूल और शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाएं एएसपीनेट से जुड़े हुए हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे 260 यूनेस्को क्लब हैं जो ऐसे अधिकतर स्कूलों में स्थापित हैं, जो आईएनसी से जुड़े हुए हैं। यूनेस्को द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में एएसपीनेट स्कूलों ने भाग लिया है।